बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 24 ● अंक: 87 ● नई दिल्ली ● मंगलवार 13 जनवरी 2026 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

विजेंद्र गुप्ता ने सदन की कार्यवाही के वीडियो क्लिप पर किया बड़ा दावा, आतिशी पर जमकर बोला हमला

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने प्रेस वार्ता कर सदन की कार्यवाही के वीडियो क्लिप पर बड़ा दावा किया। उन्होंने विवादित हिस्सा दिखाते हुए कहा कि 6 जनवरी को नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने गुरुओं के सम्मान को लेकर अपशब्द कहे, जिसमें गुरुओं का सम्मान करो, कुत्तों का सम्मान करो जैसे शब्द शामिल थे। अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि वीडियो में कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है और 7 जनवरी को जांच के बाद यह अपशब्द सिद्ध हुए। उन्होंने आतिशी पर आरोप लगाया कि जानबूझकर यह कृत्य किया गया, क्योंकि उन्होंने सदन छोड़ दिया और बाद में स्पष्टीकरण के लिए बार-बार बुलाने पर भी सदन में नहीं आईं।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर राष्ट्रपति मुर्मू ने श्रद्धांजलि अर्पित की, पीएम ने कही यह बात

नई दिल्ली। सोमवार को पूरा देश स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती मना रहा है। रामकृष्ण मठ और मिशन के मुख्यालय बेलूर मठ में मंगल आरती और विशेष प्रार्थनाओं के साथ उत्सव की शुरुआत सुबह जल्दी हो गई। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 को तत्कालीन कलकत्ता में नरेंद्रनाथ दत्ता के रूप में हुआ था। उनकी जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्वामी विवेकानंद द्वारा स्थापित रामकृष्ण मठ और मिशन की विभिन्न शाखाओं ने शहर के अलग-अलग हिस्सों में जुलूस निकाले, जिनमें स्कूली छात्र भी शामिल हुए। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर कहा कि उन्होंने भारतीयों में राष्ट्रीय गौरव का संचार किया। इसके साथ ही युवाओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा एक कालजयी दूरदर्शी और आध्यात्मिक व्यक्तित्व। उन्होंने यह उपदेश दिया कि आंतरिक शक्ति और मानवता की सेवा एक सार्थक जीवन की नींव है। उन्होंने भारत के शाश्वत ज्ञान को विश्व तक पहुंचाया। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा भारतीय युवाशक्ति के सशक्त प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद को उनकी जयंती पर मेरी

आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व विकसित भारत के संकल्प में निडर नई ऊर्जा का संचार करने वाला है। मेरी कामना है कि राष्ट्रीय युवा दिवस का यह दिव्य अवसर सभी देशवासियों, विशेषकर हमारे युवा साथियों के लिए नई शक्ति और नया आत्मविश्वास लेकर आए। इसके साथ ही उन्होंने आगे लिखा स्वामी विवेकानंद का मानना था कि युवा शक्ति ही राष्ट्र-निर्माण की सबसे सशक्त आधारशिला है। भारतीय युवा अपने जोश और जुनून से हर संकल्प को साकार कर सकते हैं। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर अमित शाह ने एक्स पर लिखा, स्वामी विवेकानंद की जयंती पर मैं उन्हें नमन करता हूं। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। स्वामी विवेकानंद ने देश के युवाओं को भारत की ज्ञान परंपरा, दर्शन और आध्यात्मिकता से जोड़ और इसकी पहुंच वैश्विक मंचों तक पहुंचाई।उन्होंने कहा, रामकृष्ण मिशन के माध्यम से उन्होंने सामाजिक सेवा के आदर्शों की स्थापना भी की। स्वामीजी के विचार, जो लक्ष्य प्राप्त करने से पहले न रुकने का संदेश देते हैं, युवाओं में कर्तव्य और देशभक्ति की भावना जगा रहे हैं और एक विकसित भारत के निर्माण को गति दे रहे हैं। उसी कोलकाता में स्वामी विवेकानंद के जन्मस्थान शिमला स्ट्रीट पर केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के देशभक्ति, सामाजिक सेवा और सौहार्दपूर्ण सद्भाव के आदर्श लोगों को प्रेरित करते रहते हैं और मार्गदर्शक शक्ति बने हुए हैं। बनर्जी ने कहा कि देश प्रेम, गरीबों और पीड़ितों की सेवा और एकता, शांति और सद्भाव के संदेश की उनकी शिक्षाओं ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा भारत की स्वदेशी आध्यात्मिक चेतना के प्रतीक स्वामी विवेकानंद की जयंती पर, मैं उन्हें अपना सादर प्रणाम अर्पित करती हूं। स्वामी विवेकानंद द्वारा सभी धर्मों के बीच सद्भाव का जो मार्ग दिखाया गया था, वह बंगाल के सामाजिक लोकाचार की नींव थी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरित होकर, बंगाल के लोग धर्म या जाति की परवाह किए बिना एक दूसरे का सम्मान और प्रेम करना जारी रखेंगे। मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद की विरासत को सम्मानित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कई कदमों की भी रूपरेखा प्रस्तुत की।

दिल्ली में कब शुरू होगी यमुना नदी क्रूज सर्विस? मंत्री कपिल मिश्रा ने दी अपडेट

नई दिल्ली।

दिल्ली में यमुना नदी में क्रूज सेवा जल्द शुरू होने वाली है। दिल्ली सरकार के पर्यटन, कानून एवं श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यमुना में संचालित होने वाले क्रूज का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। आज मुंबई में क्रूज के निर्माण स्थल का निरीक्षण किया गया और जल्द ही यह क्रूज यमुना नदी में दौड़ेगा। यह परियोजना दिल्ली के पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाली ऐतिहासिक पहल है। क्रूज सेवा मुख्य रूप से सोनिया विहार (वजीराबाद बैराज क्षेत्र) से जगतपुर (शनि मंदिर के पास) तक चलेगी, जो लगभग 4-8 किलोमीटर का रूट कवर करेगा। क्रूज इको-फ्रेंडली और सोलर-इलेक्ट्रिक हाइब्रिड तकनीक पर आधारित होगा, जो पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं पहुंचाएगा। यमुना के इस हिस्से को राष्ट्रीय जलमार्ग-110 के तहत पहले से विकसित किया जा रहा है। कपिल मिश्रा ने पहले भी कई बार इस प्रोजेक्ट की प्रगति पर अपडेट दिए हैं। नवंबर 2025 में उन्होंने केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना और अन्य अधिकारियों के साथ सोनिया विहार में निरीक्षण किया था। उस समय जेटी निर्माण, सुरक्षा व्यवस्था और यात्री सुविधाओं की समीक्षा की गई। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण और दिल्ली सरकार के बीच एमओयू साइन हो चुका है, जिससे यह परियोजना केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयास से आगे बढ़ रही है। इस क्रूज सेवा से दिल्लीवासियों को गोवा या मुंबई जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वे यमुना पर ही क्रूज का आनंद ले सकेंगे। यात्रा के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, दिल्ली की इतिहास की जानकारी और मनोरंजन की व्यवस्था होगी। मानसून में सुरक्षा कारणों से सेवा बंद रहेगी। सरकार का लक्ष्य यमुना को साफ-सुथरा बनाते हुए इसे पर्यटन हब में बदलना है। इससे रोजगार सृजन, आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी और यमुना पुनरुद्धार के प्रयासों को बल मिलेगा। दिसंबर 2025 से शुरू होने की उम्मीद जताई गई थी, लेकिन अब जनवरी 2026 में निर्माण निरीक्षण के बाद सेवा जल्द लॉन्च होने की संभावना मजबूत हुई है। दिल्ली की यमुना अब सिर्फ एक नदी नहीं, बल्कि एक आकर्षण का केंद्र बनने जा रही है।

क्या है बंगाल में दीदी की जीत का फार्मूला?

हाल ही सियासी दस्तकों से अपनी नई पारी का रोड मैप तैयार करने की तैयारियों में जुट गई है कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी। गांधी परिवार से जुड़े विश्वस्त सूत्र बताते हैं कि इस 6 जनवरी को अमेरिका की अपनी निजी यात्रा पर रवाना होने से चंद रोज पहले ही प्रियंका व राहुल गांधी में वन-टू-वन एक लंबी बातचीत हुई, जिसमें कांग्रेस के लिए भविष्य की रणनीति, इसका चेहरा-मोहरा बदलने को कवायद जैसे मुद्दों पर खुल कर चर्चा हुई। कहते हैं प्रियंका ने राहुल के समक्ष यह साफ कर दिया है कि 'वह पार्टी हित में बड़े फैसले लेने को तैयार है।' प्रियंका पिछले तीन वर्षों से अध्यक्ष खड़गे की टीम में बिना किसी प्रभार या दायित्व के महासचिव हैं। कहते हैं राहुल से अपनी बातचीत में प्रियंका ने साफ कर दिया है कि 'अब कांग्रेस को लड़ने-मरने वाला, पार्टी कैडर में एक नई जान फूंकने वाला अध्यक्ष चाहिए, एक ऐसा अध्यक्ष जिसकी नार्थ व साऊथ में बराबर की अपील हो।' फिर प्रियंका ने राहुल से पूछा-'भाई तुम्हारे मन में कोई विचार चल रहा हो तो बताओ?' काफी सोच-विचार कर, अपना वक्त लेकर राहुल ने अपने पिटारे से जो दो नाम निकाले, वे थे- जयराम रमेश व अजय माकन। प्रियंका ने फौरन हस्तक्षेप करते हुए कहा-'नहीं, इससे बात नहीं बनेगी, अगर आप चाहते हो तो मैं यह जिम्मेदारी उठाने को तैयार हूं।' पेशानियों पर असमंजस उभर आई सलवटों से जूझते हुए राहुल ने बेहद मासूमियत से कहा-'फिर तो बीजेपी वाले हमारी पार्टी को प्राइवेट लिमिटेड कंपनी कहने लगेंगे।' प्रियंका ने कहा, 'इसमें नया क्या है? वे अब भी तो यही कहते हैं।' दरअसल पार्टी के मौजूदा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पांच साल का कार्यकाल अक्टूबर 2027 में पूरा होने वाला है, उनकी राज्यसभा की मियाद भी जून 2026 में खत्म होने वाली है। सो, अगर प्रियंका गांधी की इन मंशाओं को मां सोनिया का अनुमोदन और भाई राहुल का भरोसा प्राप्त हो जाता है तो आने वाले दिनों में यकीनन भारत की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी को एक नया अध्यक्ष भी मिल सकता है। खुद को असम विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की 'चुनाव स्क्रीनिंग कमेटी' का अध्यक्ष घोषित किए जाने पर प्रियंका गांधी सकते में थीं, सूत्र बताते हैं कि उन्हें हैरत इस बात पर ज्यादा थी कि कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने उनसे पूछे बगैर यह 'नोटिफिकेशन' कैसे जारी कर दिया? कहते हैं प्रियंका ने खड़गे, अजय माकन और वेणुगोपाल तीनों से बस यही बात कही कि 'अगर आपको राहुल जी को कोई जिम्मेदारी देनी होती है तो पहले आप उनसे पूछते, फिर घोषणा करते या घोषणा करने के बाद उन्हें बताते?' सूत्रों की मानें तो प्रियंका इस बात को भलीभांति जानती हैं कि असम में उनके करने के लिए बहुत कुछ नहीं है। वहां राहुल की टीम पहले से बहुत सक्रिय है। राहुल के बेहद करीबी गौरव गोगोई 'सीएम फेस' की तरह ही आचरण कर रहे हैं, असम के प्रभारी महामंत्री भंवर जितेंद्र सिंह सिर्फ राहुल की ही सुनते हैं और इसके बाद कांग्रेस ने तीन सीनियर पर्यवेक्षक यानी भूपेश बघेल, डीके शिवकुमार व बंधु टिर्की को भी यहां चुनाव की जिम्मेदारी सौंप दी है। सो, उनके यानी प्रियंका के करने के लिए यहां क्या खास बचता है? वैसे भी इस बार कांग्रेस असम की कुल 126 में से मात्र 100 सीटों पर ही चुनाव लड़ रही है, शेष 26 सीटें कांग्रेस ने अपनी सहयोगी दलों मसलन असम जातीयता पार्टी, रायजोर दल व वामपंथी दलों के लिए छोड़ दी हैं। और इस बार असम में कांग्रेस की संभावनाएं कहीं बेहतर हैं, क्योंकि मुस्लिम वोटर इस दफे बदरुद्दीन अजमल जैसों के पाले में न जाकर कांग्रेस के पक्ष में एकजुट लगते हैं। जो कांग्रेस के नजरिए से यह एक अच्छी खबर हो सकती है। सूत्रों की मानें तो चूंकि प्रियंका खुद केरल के वायनाड से सांसद हैं, इसीलिए वे अपने लिए केरल में बेहतर संभावनाएं तलाश रही थीं, वैसे भी केरल कांग्रेस में आपसी खींचतान बहुत है, प्रियंका को इस बात का कहीं शिद्दत से इल्म है, सो उन्होंने कांग्रेस के विभिन्न गुटों के नेताओं से पहले से ही बातचीत शुरू कर दी थी, प्रियंका उनके बीच एक समन्वय बनाने का कार्य कर रही थीं। पर राहुल ने केरल के लिए जो पर्यवेक्षकों के नाम तय करवाए, वे हैं सचिन पायलट, कर्नाटक सरकार में ऊर्जा मंत्री और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खासमखास में शुमार होने वाले के जे जॉर्ज और राहुल की खास दृष्टि प्राप्त इमरान प्रतापगढ़ी। प्रियंका समझ चुकी हैं केरल में होड़ जो राहुल रच रहा। ज्यों-ज्यों बंगाल विधानसभा चुनाव की घड़ी करीब आती जा रही है, तृणमूल बनाम भाजपा की टक्कर नित्य नए आकार ग्रहण कर रही है। ईडी ने कोलकाता स्थित 'आईपैक' के दफ्तर और इसके सिरमौर प्रतीक जैन के आवास पर छापेमारी की तो दीदी वहां फौरन पहुंच गईं, बाहर आईं तो उनके हाथों में एक हरे रंग की फाइल थी। सनद रहे कि प्रतीक तृणमूल के आईटी सेल के प्रमुख भी हैं, वहीं उनकी कंपनी तृणमूल को न सिर्फ राजनीतिक परामर्श देती है अपितु इसके आईटी और मीडिया प्रकोष्ठ का काम भी देखती है। सूत्रों की मानें तो ममता इस दफे राज्य में भाजपा के समक्ष कड़ी चुनौती पेश कर रही हैं। राज्य की कुल 294 में से 100 सीटें ऐसी हैं जिसे तृणमूल का गढ़ कहा जा सकता है, 45 सीटों को आप अभेद भगवा किला मान सकते हैं। इस बार भाजपा कोलकाता व इसके आसपास की 50 सीटों पर पूरा जोर लगा रही है, पिछले कुछ चुनावों में इन सीटों पर भाजपा के वोट प्रतिशत में यकीनन इजाफा हुआ है, पर अभी तक ज्यादातर सीटों पर जीत के जादुई आंकड़े तक नहीं पहुंच पाई है। इस बार पश्चिम बंगाल चुनाव की पूरी बागडोर अमित शाह के हाथों में है, 2021 के चुनाव के मुकाबले इस बार यहां पीएम मोदी थोड़ा कम दम लगाएंगे, उनकी रैलियां भी कम होंगी और तब के 8 चरणों के चुनाव की जगह इस बार यहां केवल 3 चरणों में ही चुनाव हो सकते हैं। शुभेंदु अधिकारी अमित शाह के बेहद करीबियों में शुमार होते हैं, अधिकारी चाहते थे कि भाजपा उन्हें सीएम फेस प्रोजेक्ट कर चुनाव में जाए, पर पीएम की राय थी कि दिलीप घोष को भी चुनाव में उतना ही महत्व मिलना चाहिए, पीएम के कहने के बाद ही घोष को ठंडे बस्ते से बाहर निकाल झाड़-पोंछ कर चमकाया जा रहा है। हर बार की तरह इस बार भी ममता के लिए महिला वोटर ही उनकी 'ट्रंप कार्ड' है। प्रदेश की महिलाओं के लिए दीदी 2021 से ही 'लक्ष्मी भंडार योजना' चला रही हैं, जिसमें महिलाओं को नकद पैसे मिलते हैं। इस योजना में एससी/एसटी समुदाय की महिलाओं के लिए 1200 रुपए प्रति माह और अन्य श्रेणी की महिलाओं के लिए हजार रुपए महीना तय है। इस योजना से प्रभावित होकर राज्य की महिला वोटर्स जाति-धर्म से ऊपर उठ कर ममता के लिए वोट कर रही हैं, माना जाता है कि भगवा रणनीतिकारों ने भी इस बार इसकी काट ढूंढ निकाली है। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने झारखंड मुक्ति मोर्चा को भाजपा के करीब लाने में अपनी सारी ताकत झोंक दी थी और इसमें वे कुछ हद तक कामयाब भी रहे। कहते हैं हेमंत सोरेन ने एनडीए में शामिल होने के लिए अपनी हामी भर दी है। पर बदले में वे चाहते हैं कि 'उनकी पत्नी कल्पना सोरेन को केंद्रीय मोदी सरकार में किसी अहम मंत्रालय से नवाजा जाए,' उनकी योजना अपनी पत्नी को उपरी सदन में भेजने की भी है। पर सोरेन को इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा, कहा जा रहा है कि अप्रैल इस तीसरी बार की सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के बाद भाजपा सरकार की योजना अपने कैबिनेट में एक व्यापक फेरबदल की है। वहीं हेमंत चाहते हैं कि 2029 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 8 तो झामुमो 6 सीटों पर चुनाव लड़े, सनद रहे कि झारखंड में लोकसभा की कुल 14 सीटें हैं। वहीं भाजपा व संघ की राज्य इकाई झामुमो से ऐसे किसी गठबंधन के सख्त खिलाफ है, इनका मानना है कि 'इन दोनों पार्टियों में वैचारिक समानता कहीं दूर-दूर तक नहीं है, दूसरा हेमंत सोरेन कब पलट जाएं यह कहना मुश्किल है, वे जितनी आसानी से एनडीए में आने को तैयार हो गए हैं, वक्त बदला तो वे उतनी ही आसानी से एनडीए छोड़ भी देंगे।' पिछले कुछ महीनों में यह तीसरा मौका है जब भाजपा के एक बड़े नेता अपना सारा काम धंधा छोड़ दो-दो दिनों के लिए राजस्थान में धूनी रमाए बैठे हैं। इस 9-10 जनवरी को भी शाह जयपुर में थे, दरअसल भाजपा शीर्ष जानता है कि पूरे हिंदी पट्टी में राजस्थान ही एक ऐसा राज्य है जहां आज भाजपा सबसे कमजोर स्थिति में है।

सम्पादकीय...

साहब के वैचारिक आन्दोलन को धार

हिंदी साहित्य पर राम और कृष्ण के बहाने जो प्रभाव ब्राह्मणवर्ग का रहा उस प्रभाव को बाद में गांधीवाद कहा गया और एक दौर रहा जब लोगों ने गांधी पर खूब लिखा और सत्ता की मलाई खाई। साहित्य गांधीमय हो गया और साहित्य अकादमी और ज्ञानपीठ की वर्षा होने लगी। बौने राष्ट्रवाद के कसीदे गढ़े जाने लगे। लेखकों में गांधीवादी होने की होड़ मच गयी। जैसे आजकल संघी मानसिकता के लेखकों की भरमार हो रही है। बरसाती मेंढ़क की तरह साहित्य के दादुर टर्र-टर्र कर रहे हैं। वर्ण और जाति को पोषित करने वाला साहित्य लिखा जा रहा है। ठूंठ पड़ गए राष्ट्र में लोगों को फिर बहकाने की साजिशें चल निकली हैं। मनु का संविधान लागू करने पर भीड़ आमादा है। आज विष्णु-राधावादी, गांधीवादी तथा मार्क्सवादी साहित्य प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है पर भारतीय राजनीति के फलक पर गांधी के समानांतर गांधी से ज्यादा सक्रिय रहे बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर का नाम कम दिखाई पड़ता है। गांधी पर तो कितने लोकवृत्त लिखे गए पर वंचित वर्गों को छोड़कर बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर के कार्यों को उद्घाटित करने वाला कोई साहित्य दिखाई नहीं देता या बहुत कम दिखाई देता है। यहाँ भी बाबा साहब को अछूत मानकर छोड़ दिया गया। उनके साथ ही उनके विचारों को भी अछूत माना गया। हिंदी पट्टी में लम्बे समय तक उनको देशद्रोही तक समझा गया। आरंभ से ही हिंदी साहित्य का विद्यार्थी होने के बावजूद हिंदी साहित्य से कोई मुकम्मल आत्मिक जुड़ाव नहीं हो पाया। इससे सिर्फ अकादमिक जुड़ाव ही बन पाया। पाठ्यक्रम में संतों-नाथों को छोड़कर अपना कोई प्रिय रचनाकार नहीं बना। जिसे हम हिंदी साहित्य कहते थे वह तो वर्णवाद जातिवाद पोषित हिन्दू अपरकास्ट साहित्य है। कबीर और रैदास में भी हमें वही पढ़ाया गया जो सर्वथा ब्राह्मणवाद को मजबूत बनाने का काम करता हो। गुरु गोविन्द में ऐसा उलझाया गया कि हम असली राम और नकली राम के भेद को न पहचान पायें। वर्ण-जाति, सामंती ओछापन, लिंग-गत भेदभाव, विष्णुवाद, राधावाद, सामंतवाद के अलावा हिन्दी साहित्य ब्राह्मणवाद का खिलौना मात्र बनकर रह गया। लोगों को भाग्य और भगवान से आगे नहीं सोचने देने का जो उपक्रम हिंदी द्विजों ने अपनाया था उसे वे अक्षरशः आगे बढ़ा रहे हैं। हिंदी साहित्य का एक बड़ा हिस्सा आज भी द्विज लेखकों की सांस्कृतिक क्रीड़ास्थली ही अधिक है। हिंदी पट्टी में तर्क विवेक न पैदा हो इसका ध्यान वे भरपूर रखते हैं। हिंदी पट्टी में मार्क्सवाद का प्रभाव दिखाई देता है पर दुनिया का अत्यंत सुखद विचार होने के बावजूद उसे भी तथाकथित द्विजों ने अपने विचार के अनुकूल बना लिया है और यहाँ बड़ा से बड़ा प्रगतिवादी तुलसीवाद का हिमायती दिखाई देता है। उनके सन्दर्भ में कहें तो भीतर का जनेऊ उनके लेखन में प्रकट हो ही जाता है। हिंदी साहित्य में हिंदी की बहुसंख्यक जनता यानी दलित, पिछड़ें, स्त्रियों, पसमांदा की आवाज लगभग गायब है। मान्यवर कांशीराम साहब के आन्दोलन से ही बाबा साहब के वैचारिक आन्दोलन को धार मिली। बहुजन तबकों के लेखकों का आगमन शुरू हुआ। आत्मकथाएं आनी शुरू हुईं। स्वानुभूति और सहानुभूति के नकली सवालों से जूझकर हिंदी साहित्य आन्दोलन में हिंदी ने अपना परचम लहराया। दलित लेखकों ने अपनी सशक्त अभिव्यक्ति के साथ वैचारिक लेखन का झंडा बुलंद किया। अवतारवाद, जातिवाद, सामंतवाद, ब्राह्मणवाद के खिलाफ खुलकर लिखा पढ़ा जाने लगा। कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध और कविता जैसी विधाओं में प्रचुर मात्रा में रचनाएं सृजित होने लगी। बहुजन वैचारिक आन्दोलनों को धार देने के लिए हिंदी पट्टी से सैकड़ों पत्रिकाएं निकली। साहित्य और कलाओं को प्रोत्साहित करने वाली संस्थाओं का गठन हुआ। आन्दोलन चलाये जाने लगे। मराठी साहित्य का वैचारिक प्रभाव हिंदी लेखकों पर पड़ा। विमर्श और साहित्य सृजन ने बाबा साहब के वैचारिक आन्दोलन को धार दी। सोशल मीडिया, डिजिटल मीडिया ने दलित लेखकों को प्रोत्साहित किया। वे धीरे-धीरे कुंठित संपादकों से मुक्त हुए। वर्णवादी लेखकों की मनमानी डिजिटल मीडिया ने पलट दी। बाबा साहब का आन्दोलन और साहित्य गति पकड़ने लगा। तथाकथित नकली लेखकों का भंडाफोड़ होने लगा। ब्राह्मणवाद मुंह की खाने लगा। क्या बाबा साहब डॉ.अम्बेडकर का कोई प्रभाव हिंदी साहित्य पर पड़ा है? बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर 1913 ई से 1956 ई. तक लगातार सक्रिय रहे। देश विदेश में अपनी आवाज बुलंद करते रहे तो क्या उनकी आवाज हिंदी पट्टी में अनसुनी रह गई? क्या दीन हीन जनता को गांधी के अलावा कोई और विकल्प दिखाई नहीं देता है? अभी -अभी परवान चढ़े क्या जनता को संघी विचारों से दूर तक ले जाया जा सकता है? आखिर बाबा साहब के विचारों को वामपंथियों ने क्यों प्रोत्साहित नहीं किया? सवर्ण समुदाय से आने वाले कितने लेखकों ने बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर पर कवितायें/ लेख लिखीं, कितने लोगों ने उपन्यास और कहानियां लिखीं? कितने नाटककारों ने उन पर कलम चलाई। मैं प्रबुद्ध विमर्श पत्रिका के माध्यम बार-बार सोशल मीडिया पर आग्रह के बावजूद कविता, कहानी और लेख नहीं मिलने से पता चलता है कि बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर आज भी सवर्ण समाज के बीच अछूत बने हुए हैं। आज भी सिर्फ दलित ही बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर को अपना नायक मान रहे हैं। भारत के तथाकथित वामपंथी भी डॉ. अम्बेडकर का नाम लेने से कतराते हैं, वामपंथियों की जाति, धर्म की अपनी सीमाएं हैं।

70फीसदी भूजल स्रोत दूषित

भारत, जो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, आज दूषित जल के एक गंभीर संकट से जूझ रहा है। हाल के वर्षों में, विशेष रूप से 2025-2026 में, दूषित जल के पानी से 5,500 से अधिक लोग बीमार हुए और 34 मौतें हुई जो 26 शहरों में फैली हुई हैं। यह आंकड़े न केवल चौंकाने वाले हैं, बल्कि वे एक बड़ी राष्ट्रीय समस्या की ओर इशारा करते हैं। भारत की प्रमुख नदियां, जैसे गंगा और यमुना, औद्योगिक अपशिष्ट, अनुपचारित सीवेज और कृषि अपवाह से बुरी तरह प्रदूषित हैं। विश्व जल गुणवत्ता सूचकांक में भारत 122 देशों में से 120वें स्थान पर है और लगभग 70फीसदी भूजल स्रोत दूषित है। दूषित जल की समस्या भारत में बहुआयामी है। मुख्य कारणों में अनुपचारित सीवेज सबसे बड़ा है जो नदियों और भूजल को प्रदूषित करता है। इसके अलावा, कृषि से निकलने वाले कीटनाशक और उर्वरक तथा उद्योगों से निकलने वाले रसायन जैसे भारी धातु और विषाक्त पदार्थ जल स्रोतों को नष्ट कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, कपड़ा और चमड़ा उद्योगों से निकलने वाला अपशिष्ट कई नदियों को प्रभावित कर रहा है। 163 मिलियन भारतीयों के पास सुरक्षित पेयजल की पहुंच नहीं है और 21फीसदी संक्रामक रोग जल से संबंधित हैं। हाल ही में इंदौर और अन्य शहरों के घटनाक्रमों ने इस समस्या को और उजागर किया है। इंदौर में दूषित पानी से कम से कम 8 मौतें हुईं लेकिन रिकॉर्ड दिखाते हैं कि 18 परिवारों को मुआवजा दिया गया। यह असंगति सरकार की पारदर्शिता पर सवाल उठाती है। पूरे देश में टाइफाइड जैसे रोग फैल रहे हैं जो दूषित पानी से जुड़े हैं। आर्थिक रूप से, यह संकट उत्पादकता को प्रभावित करता है, क्योंकि बीमारियां कार्यबल को कमजोर करती हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से, यह जैव विविधता को भी नुकसान पहुंचाता है और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को बढ़ाता है। 2025-2027 में जल की कमी भारत के लिए सबसे बड़ा पर्यावरणीय जोखिम साबित हो सकती है। यदि इसे नजरअंदाज किया गया तो 'डे जीरो' की स्थिति कई राज्यों में आ सकती है। सरकार की उदासीनता इस समस्या का एक प्रमुख कारण है। केंद्र सरकार पर आरोप है कि वह स्वच्छ जल और स्वच्छ हवा प्रदान करने में विफल रही है। विपक्षी नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। विपक्ष के अनुसार मुख्य कारणों में कमी नियमों की है, अत्यधिक निजीकरण, सरकारी भ्रष्टाचार और सामान्य उपेक्षा शामिल है। मध्य प्रदेश में इंदौर घटना के बाद नगर आयुक्त को हटाया गया और दो अधिकारियों को निलंबित किया गया लेकिन विपक्ष इसे केवल प्रतिक्रियात्मक कदम मानता है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार चुनावी वादे जैसे 'हर घर जल' योजना लागू तो हुई लेकिन गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया। दिल्ली जल बोर्ड को सख्त जांच के निर्देश दिए गए लेकिन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की कमी पाई गई है। भ्रष्टाचार के कारण फंड का दुरुपयोग होता है और स्थानीय स्तर पर बुनियादी ढांचा अभी भी पुराना है।

सीवेज और पेयजल लाइनों की मिश्रण जैसी समस्याएं आम हैं। राष्ट्रीय स्तर पर, जल गुणवत्ता 2025-26 में एक प्रमुख चुनौती है लेकिन इस गंभीर चुनौती को कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) को स्थानांतरित करने के बजाय सरकार को अधिक सक्रिय होना चाहिए। यह उदासीनता न केवल स्वास्थ्य संकट पैदा करती है, बल्कि सामाजिक असमानता को भी बढ़ाती है, क्योंकि इससे गरीब तबके के लोग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। दूषित जल की समस्या का समाधान संभव है, यदि बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया जाए। सबसे पहले, स्रोत पर प्रदूषण को रोकना जरूरी है। उद्योगों को अपशिष्ट उपचार संयंत्र स्थापित करने के लिए बाध्य किया जाए। कृषि में जैविक खेती को प्रोत्साहित करें ताकि रसायनों का अपवाह कम हो। सीवेज उपचार को 100फीसदी बनाना चाहिए, जो वर्तमान में अपर्याप्त है। आंकड़े बताते हैं कि पश्चिमी देशों के अनुभव काफी उपयोगी साबित हुए हैं। स्विट्जरलैंड में शहरी जल उपचार की गुणवत्ता सर्वोच्च है और विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वहां का नल का पानी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। वे अपशिष्ट जल को पुनर्चक्रित करते हैं, जो कई देशों में अपनाया जाता है। यूरोप में 'ब्लू रिवोल्यूशन' रणनीति कुशल उपयोग, अपशिष्ट कमी और पारिस्थितिक संतुलन पर जोर देती है। प्रबंधित एक्विफर रिचार्ज (एमएआर) जैसी विधियां अपनाई जाती हैं, जिसमें नदी तलों को समायोजित करना, बैंक फिल्ट्रेशन, सतही पानी का वितरण और रिचार्ज कुओं का उपयोग शामिल है। वहीं अमेरिका और यूरोप में मेम्ब्रेन सेपरेशन टैक्नोलॉजी,सोलर वाटर डिसइंफेक्शन (एसओडीआईएस) और सिरेमिक फिल्ट्रेशन जैसी तकनीकें आम हैं। यूरोपीय संघ में जल बचत पर जोर है, विभिन्न क्षेत्रों में दक्षता बढ़ाने के लिए। काउंसिल ऑफ यूरोपियन बैंक ने 16 देशों में जल और स्वच्छता परियोजनाओं में 1.8 बिलियन यूरो का निवेश किया है। प्रकृति-आधारित समाधान (एनबीएस) यूरोप में जल प्रबंधन में उपयोगी हैं, जैसे वेटलैंड्स और वन क्षेत्रों का उपयोग फिल्टर के रूप में किया जाना। भारत को पश्चिमी अनुभवों से सीखते हुए उनके सफल उपाय को अपनाना चाहिए। अमेरिका की तरह पर्यावरण संरक्षण एजेंसी जैसी स्वतंत्र संस्था बनाएं जो प्रदूषण पर नजर रखे। जुर्माने और जेल की सजा लागू करें। यूरोप की तरह जल उपचार संयंत्रों में बड़े निवेश करें। डिसेलिनेशन प्लांट्स लगाएं, हालांकि उनके नुकसानों को ध्यान में रखें। हर घर में फिल्टर सिस्टम अनिवार्य करें। स्विट्जरलैंड मॉडल अपनाएं, अपशिष्ट जल को पुन उपयोग योग्य बनाएं। एमएआर तकनीक से भूजल रिचार्ज करें। स्थानीय समुदायों को शामिल करने पर भी जोर दिया जाए, जैसे यूरोप में एनबीएस परियोजनाओं के तहत शिक्षा अभियान चलाए जाते हैं जिससे कि लोग जल संरक्षण करते हैं। नवीनतम तकनीकी का नवाचार करने पर भी जोर देने की आवश्यकता है।

तानाशाही व निरंकुश राज्य की उम्र लम्बी नहीं होती

इतिहास ढेरों सबक देता है, मगर सीखता कोई भी नहीं है। जब से विश्व का इतिहास समय की दीवार पर लिखा जाने लगा है तब से यह तथ्य बार-बार दोहराया गया है कि तानाशाही व निरंकुश राज्य की उम्र लम्बी नहीं होती। यह भी दोहराया जाता है कि तानाशाह पूरी जिंदगी भय और आतंक के साए में जीने के लिए मजबूर होते हैं। प्राचीन इतिहास को छोड़ दें, समकालीन इतिहास में भी सिकंदर, चंगेज खान, हिटलर, मुसोलिनी, सद्दाम हुसैन, कर्नल गद्दाफी, जिया-उल-हक, भुट्टो और इमरान का हश्र देख लें। चंगेज खान ने अपने करीबी सिपहसालारों को निर्देश दे रखा था कि जब वह मरे तो उसे एक अज्ञात कब्र में दफनाया जाए। जहां वह दफन हो उसके आसपास सभी क्षेत्रों में घोड़े दौड़ाए जाएं और मिट्टी को ऐसा फैलाया जाए कि कब्र की पहचान भी न हो पाए। उसे भय था कि उसके मरने के बाद उससे पीड़ित लोग उसकी कब्र तक खोद डालेंगे और उसके शव को गिद्धों व जंगली जानवरों के सुपुर्द कर देंगे। उसे उत्तरी मंगोलिया में 18 अगस्त, 1227 को दफनाया गया था। उसके अंतिम संस्कार में आने वाले सभी लोगों को भी मार दिया गया था और बाद में एक नदी की धारा भी उस स्थल की ओर मोड़ दी गई थी। सिकंदर की वसीयत का एक-एक पृष्ठ उसके पश्चाताप की चुगली करता है। विश्व विजय के लिए तबाही मचाने वाले सिकंदर ने अपने खाली हाथ, कफन के बाहर रखे जाने की वसीयत की थी, ताकि पूरा विश्व जान जाए कि असंख्य जिंदगियों को रौंदने वाला वह असफल महानायक इस संसार से खाली हाथ लौटा था। हिटलर शत्रु सेनाओं से घिरने के भय से इतना आतंकित हो गया था कि उसने अपने बंकर में ही स्वयं को गोली मार ली थी और उसकी प्रेमिका ईवा ने विष निगल लिया था। हिटलर पर 60 लाख यहूदियों के नरसंहार का भी आरोप था। यही हश्र मुसोलिनी, सद्दाम हुसैन, गद्दाफी और जिया-उल-हक जैसे निरंकुश तानाशाहों का हुआ था। मगर इन सबके बावजूद भी किसी भी तानाशाह ने कोई सबक नहीं सीखा।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को लगता था कि उनके अभेद्य-सुरक्षा कवच को कोई भी शत्रु भेद नहीं पाएगा। मगर 24 घंटे में ही उन्हें अमेरिकी सैनिक घसीटते हुए न्यूयार्क की अदालत में ले गए थे। अब डोनाल्ड ट्रम्प भी इसी भ्रम का शिकार हैं। उन्हें भी भ्रम है कि वह भी 'टैरिफ' के चाबुकों का भय दिखाकर पूरे विश्व को अपने सामने झुका सकते हैं। इधर, रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी स्वयं को सुरक्षा के कड़े दायरों में पूरी तरह अभेद्य मानते हैं। वह भी यूक्रेन को पूरी तरह नेस्तनाबूद करने पर आमादा हैं। तानाशाही सोच का अतीत भी ढेरों सबक देता है, वर्तमान भी दर्शाता है मगर सहमे-सहमे से तानाशाह इतिहास से कोई भी सबक नहीं लेते। लीबिया के तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी की मौत 20 अक्तूबर, 2011 को लीबिया के सिरते शहर में हुई। वह नाटो के हवाई हमले से बचा लेकिन बाद में विद्रोही लड़ाकों ने उन्हें पकड़ लिया और सिर में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। गद्दाफी अपनी विदेश यात्राओं के मध्य विमानों से अपने टैंट, अपने ऊंट और अपने नकली हमशक्ल अंगरक्षक साथ ले जाता था। मगर एक बार नाटो के जेट विमानों ने उसके काफिले पर हमला किया।

नार्को-टेरर-मिशन ड्रग फ्री इंडिया - नशे के खिलाफ़ भारत की निर्णायक लड़ाई

वैश्विक स्तरपर भारत ने पिछले एक दशक में आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे पर जिस प्रकार का निर्णायक बदलाव देखा है, वह न केवल राष्ट्रीय राजनीति बल्कि अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक समुदाय के लिए भी अध्ययन का विषय बन गया है। नक्सलवाद, जिसे लंबे समय तक भारत की सबसे गंभीर आंतरिक सुरक्षा चुनौती माना गया, उसके विरुद्ध 31 मार्च 2026 तक समाप्ति का लक्ष्य तय कर जिस तरह ठोस, बहु-स्तरीय और निरंतर अभियान चलाया गया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, संस्थागत समन्वय और सुरक्षा बलों की पेशेवर क्षमता के साथ असंभव माने जाने वाले लक्ष्य भी हासिल किए जा सकते हैं। इसी आत्मविश्वास के साथ भारत सरकार अब दूसरी, कहीं अधिक जटिल और वैश्विक जड़ों वाली चुनौती,ड्रग्स और नशा तस्करी के खिलाफ निर्णायक लड़ाई के चरण में प्रवेश कर चुकी है। ड्रग फ्री इंडिया 2029 का लक्ष्य केवल एक सरकारी नारा नहीं, बल्कि भारत की आने वाली पीढ़ियों सामाजिक स्थिरता और आर्थिक क्षमता को सुरक्षित रखने की एक व्यापक राष्ट्रीय रणनीति हैमैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि नक्सलवाद के खिलाफ अभियान की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत अब प्रतिक्रियात्मक नीति से आगे बढ़कर समयबद्ध, परिणाम- आधारित और मिशन मोड में काम करने में सक्षम है।दशकों तक नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में समानांतर सत्ता,हिंसा,विकास अवरोध और मानवाधिकार संकट की स्थिति बनी रही। परंतु पिछले वर्षों में सुरक्षा बलों के आधुनिकीकरण, खुफिया तंत्र की मजबूती, स्थानीय विकास योजनाओं और राजनीतिक संकल्प ने इस चुनौती की कमर तोड़ दी। यही मॉडल अब ड्रग्स के खिलाफ अपनाने की तैयारी है लेकिन अंतर यह है कि नशा केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, स्वास्थ्य और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा बहुआयामी संकट है। केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा इसे नार्को- टेरर की संज्ञा देना इस खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है, क्योंकि ड्रग्स का पैसा आतंकवाद संगठित अपराध और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पोषित करता है।ड्रग फ्री इंडिया 2029 का लक्ष्य इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि यह पहली बार है जब भारत ने नशा मुक्त समाज की दिशा में एक स्पष्ट समय-सीमा, संस्थागत रोडमैप और बहु- विभागीय उत्तरदायित्व तय किया है। साथियों बात अगर हम नई दिल्ली में आयोजित एनकोर्ड की 9वीं उच्च स्तरीय बैठक को समझने की करें तो,यह इसी रणनीतिक बदलाव का प्रतीक है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा हाइब्रिड मोड में आयोजित इस बैठक में केंद्र सरकार के मंत्रालयों,राज्य सरकारों और ड्रग्सकानून प्रवर्तन एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों की भागीदारी ने यह संदेश दिया कि यह लड़ाई किसी एक एजेंसी या राज्य की नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की साझा जिम्मेदारी है।बैठक का मुख्य उद्देश्य केवल आंकड़ों की समीक्षा नहीं, बल्कि नशा तस्करी नेटवर्क और गैंग को जड़ से तोड़ने, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान और भविष्य की तकनीकी चुनौतियों से निपटने की रणनीति तैयार करना था।ड्रग्स के खिलाफ इस नए अभियान की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता इसका 360-डिग्री दृष्टिकोण है।पारंपरिक रूप से ड्रग्स को सीमा सुरक्षा या पुलिसिंग की समस्या के रूप में देखा जाता रहा है, लेकिन अब इसे एक पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में समझा जा रहा है, जहां उत्पादन,तस्करी,फाइनेंसिंग तकनीक उपभोक्ता मांग और सामाजिक कमजोरियां आपस में गहराई से जुड़ी हैं। केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा सभी विभागों को 2029 तक का स्पष्ट रोडमैप और समयबद्ध निगरानी तंत्र तैयार करने का निर्देश इसी सोच को दर्शाता है। यह स्पष्ट किया गया है कि केवल ड्रग्स पकड़ना पर्याप्त नहीं,बल्कि पूरे नेटवर्क, किंगपिन,फाइनेंसर,लॉजिस्टिक्स हवाला चैनल और डिजिटल प्लेटफॉर्म,को ध्वस्त करना लक्ष्य होना चाहिए।डार्कनेट क्रिप्टोकरेंसी और डिजिटल भुगतान जैसी नई तकनीकों ने ड्रग्स के व्यापार को पहले से कहीं अधिक जटिल बना दिया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ड्रग माफिया अब पारंपरिक तस्करी मार्गों के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं,जिससे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। इसी कारण एनकोर्ड बैठक में डार्कनेट और अवैध डिजिटल लेन-देन पर विशेष जोर दिया गया। यह संकेत है कि भारत की रणनीति केवल वर्तमान खतरों तक सीमित नहीं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग, साइबर फॉरेंसिक्स और वित्तीय खुफिया इकाइयों की भूमिका इस अभियान में निर्णायक होगी। साथियों बात अगर हम ड्रग्स की समस्या को समझने की करें तो, केंद्रीय गृह मंत्री ने सही ही कानून -व्यवस्था से अधिक नार्को-टेरर और आने वाली नस्लों को बर्बाद करने के षड्यंत्र के रूप में परिभाषित किया है।नशा केवल अपराध नहीं बढ़ाता,बल्कि युवाओं के स्वास्थ्य,मानसिक क्षमता, उत्पादकता और सामाजिक मूल्यों को भी नष्ट करता है। जब किसी देश की युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में आती है,तो उसका सीधा असर आर्थिक विकास, नवाचार क्षमता और सामाजिक स्थिरता पर पड़ता है। भारत जैसे युवा आबादी वाले देश के लिए यह खतरा और भी गंभीर है। इसलिए ड्रग फ्री इंडिया 2029 का लक्ष्य वस्तुतः भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश को सुरक्षित रखने की रणनीति भी है।31 मार्च 2026 के बाद शुरू होने वाला तीन वर्षीय सामूहिक अभियान इस रणनीति की रीढ़ होगा। इसमें नशे के खिलाफ सभी स्तंभों,कानून प्रवर्तन, खुफिया,वित्तीय जांच, सामाजिक जागरूकता, स्वास्थ्य सेवाएं और पुनर्वास की भूमिका स्पष्ट रूप से परिभाषित की जाएगी। लक्ष्यांक तय कर उनकी समयबद्ध समीक्षा होगी, ताकि यह अभियान केवल घोषणाओं तक सीमित न रह जाए। यह दृष्टिकोण नक्सलवाद केखिलाफ अपनाई गई रणनीति से मिलता- जुलता है, जहां नियमित समीक्षा और परिणाम- आधारित मूल्यांकन ने सफलता सुनिश्चित की। साथियों बात अगर हम ड्रग फ्री इंडिया अभियान का तीन सूत्रीय प्लान ऑफ एक्शन को समझने की करें तो इस पूरी रणनीति को व्यावहारिक आधार देता है।पहला सप्लाई चेन के खिलाफ सामूहिक और रूथलेस अप्रोच, अर्थात ड्रग्स के उत्पादन, तस्करी और वितरण के हर चरण पर बिना किसी नरमी के कार्रवाई। दूसरा, डिमांड रिडक्शन के लिए स्ट्रेटेजिक अप्रोच,यानी नशे की मांग को कम करने के लिए शिक्षा, जागरूकता, सामुदायिक भागीदारी और सामाजिक हस्तक्षेप। तीसरा, हार्म रिडक्शन के लिए ह्यूमन अप्रोच,जिसमें नशे के आदी लोगों को अपराधी नहीं, बल्कि उपचार और पुनर्वास की आवश्यकता वाले व्यक्ति के रूप में देखा जाए। यह संतुलित दृष्टिकोण अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप है और इसे भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुसार ढाला गया है।ड्रग्स के व्यापार में किंगपिन, फाइनेंसर और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क की भूमिका को केंद्र में लाना इस अभियान की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक शिफ्ट है। अतीत में अक्सर छोटे तस्करों या उपभोक्ताओं पर कार्रवाई तक सीमित रहकर बड़ी मछलियां बच निकलती थीं। अब स्पष्ट किया गया है कि समीक्षा का मुख्य मुद्दा यही होगा कि ड्रग्स के पीछे खड़े आर्थिक और संगठित ढांचे को कितना नुकसान पहुंचाया गया।

हवाला और अवैध वित्तीय लेन-देन की जांच इसीलिए प्राथमिकता में है, क्योंकि पैसा ही ड्रग्स और आतंक के गठजोड़ को जीवित रखता है। साथियों बात अगर हम फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी के बेहतर उपयोग और समय पर चार्जशीट दाखिल कर सजा की दर बढ़ाने पर दिया गया जोर को समझने की करें तो,यह दर्शाता है कि सरकार केवल गिरफ्तारी नहीं, बल्कि न्यायिक परिणामों पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। भारत में ड्रग्स मामलों में लंबे समय तक चलने वाले मुकदमे और कम सजा दर एक बड़ी चुनौती रही है। यदि जांच, फॉरेंसिक साक्ष्य और अभियोजन मजबूत हों, तो न केवल दोषियों को सजा मिलेगी, बल्कि निवारक प्रभाव भी पड़ेगा। टॉप-टू-बॉटम और बॉटम-टू-टॉप अप्रोच का उल्लेख इस बात का संकेत है कि पूरे नेटवर्क की जांच में किसी भी स्तर को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भाटी ने करन ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार भाटी, मो : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2010/08863)

केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ भरी हुंकार

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन के उक्त 15वें राज्य सम्मेलन डॉ अंबेडकर पार्क सिविल लाइन मुरादाबाद में आयोजित आम सभा से हुआ। इस आम सभा की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शाकिर हुसैन ने की और संचालन राज्य उपाध्यक्ष कामरेड थान सिंह ने किया। आम सभा को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव कामरेड वी बैंकट ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार कारपोरेट घरानों को लाभ पहुंचाने के लिय ग्रामीण गरीब खेत मजदूरों, गरीब किसानों एवं आम जनता की विरोधी नीतियों को लगातार लागू कर रही है। मजदूरों और ग्रामीण मजदूरों पर सबसे ताजा और बड़ा हमला 29 श्रम कानूनों और मनरेगा को खत्म करके बोला गया है। अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन के राष्ट्रीय सहसचिव डॉक्टर विक्रम सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आज मनरेगा को बचाने व श्रम कानूनों की बहाली के लिए मजबूत संगठित आंदोलन चलाने की बहुत जरूरत है। आम सभा को यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष सतीश कुमार, महासचिव बृजलाल भारती और सहसचिव राजीव शांत ने भी संबोधित किया। आम सभा के बाद शाम 4.30 बजे दिल्ली रोड मुरादाबाद स्थित क्लासिक बैंकट हॉल में सम्मेलन का उद्घाटन सत्र यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष कामरेड सतीश कुमार द्वारा ध्वजारोहण के साथ शुरू हुआ। जिसमें यूनियन के केंद्रीय व रा'य नेतृत्व के साथ समस्त प्रतिनिधि साथियों द्वारा क्रांतिकारी उदघोष के साथ शहीदों की स्मृति में पुष्प अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। उद्घाटन सत्र का प्रारंभ सम्मेलन की स्वागत समिति के अध्यक्ष वरिष्ठ सर्जन डॉ अशोक कुमार सिंह के स्वागत संबोधन से हुआ। राष्ट्रीय सह सचिव डॉ विक्रम सिंह ने उदघाटन में मनरेगा बचाने के लिए मजबूत आंदोलन विकसित करने का आवाहन किया। उन्होंने कहा कि मजबूत आंदोलन के लिए मजबूत संगठन की बहुत अधिक जरूरत है। रा'य सम्मेलन के दूसरे दिन 11 जनवरी को प्रदेश महासचिव बृजलाल भारती द्वारा विगत 3 वर्षों की आंदोलनात्मक एवं संगठनात्मक गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। जिस पर पूरे प्रदेश से आये नेतृत्वकारी प्रतिनिधि साथियों ने सकारात्मक रूप से चर्चा कर अपने सुझाव दिए। चर्चा में आए सुझावों को स्वीकार करते हुए महासचिव के जवाब के बाद प्रतिनिधि साथियों द्वारा सर्वसम्मति से रिपोर्ट पारित की गई। सम्मेलन में 12 फरवरी 2026 की आम हड़ताल को सफल बनाने के लिए प्रदेश सह सचिव राजीव शान्त ने प्रस्ताव रखा।

'स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को जीवन का मूलमंत्र बनायें युवा'

मुरादाबाद।

स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस (युवा दिवस) के अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के तत्वाधान में स्वदेशी संकल्प दौड़ (रन फॉर स्वदेशी) का आयोजन किया गया। दौड़ के बड़ी संख्या में युवा एवं विद्यालयों के छात्र-छात्रा पंचायत भवन पर एकत्रित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण कर हुआ। युवाओं को संबोधित करते हुए स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय विचार विभाग प्रमुख डॉ राजीव कुमार ने कहा की यह युग स्वदेशी का युग है, जिस प्रकार वैश्विक परिदृश्य बदल रहा है स्वदेशी एवं उद्यमिता से ही भारत आत्मनिर्भर बनेगा। भोजन, भाषा, भेष, एवं शिक्षा पद्धति स्वदेशी होनी चाहिए। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि नगर विधायक रितेश गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा स्वामी विवेकानंद के कथन उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य को प्राप्त न कर लो, को युवाओं को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाना चाहिए। युवाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता का मार्ग अपनाना चाहिए, जिससे भारत आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो।प्रांत संयोजक कपिल नारंग ने अपने संबोधन में कहा की स्वदेशी ही राष्ट्र प्रेम की सबसे सशक्त अभिव्यक्ति है। उन्होंने युवाओं से नौकरी का मोह त्याग कर उद्यमिता की ओर कदम बढ़ाने का आवाहन किया। भाजपा के महानगर उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक राहुल शर्मा ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री जी भी स्वदेशी अपने की बात विभिन्न मंचों से करते रहे हैं, स्वाभिमान से जीने का रास्ता स्वावलंबन एवं स्वदेशी से ही निकलता है। दौड़ का प्रारंभ मुख्य अतिथि नगर विधायक ने झंडी दिखाकर किया। दौड़ पंचायत भवन से प्रारंभ होकर इनकम टैक्स ऑफिस, पीली कोठी, अंबेडकर पार्क, जैन मंदिर से होकर जिगर मंच पर समाप्त हुई । दौड़ में युवा एवं छात्र-छात्रा हाथों में स्वदेशी समर्थक नारों की तख्तियां ले कर भारत माता की जय, आज के आनंद की जय विवेकानंद की, जब बाजार जाएंगे सामान स्वदेशी लायेंगे, के नारे लगाते हुए दौड़ रहे थे।दौड़ के समापन पर सभी उपस्थित युवाओं छत्राओं को स्वदेशी संकल्प शपथ दिलाई गई जिसमें स्वदेशी भोजन, भाषा, वस्त्र एवं भाव और उद्यमिता के माध्यम से भारत को पुनः महान बनाने की शपथ दिलाई गई। भाजपा के महानगर उपाध्यक्ष राहुल शर्मा कार्यक्रम के संयोजक रहे।कार्यक्रम का समन्वय विभाग संयोजक प्रशांत शर्मा एवं जिला सहसंयोजक नीरज सोलंकी ने किया। दौड़ में भाजपा के चंदर प्रजापति, क्षत्रिय महासभा, जैन समाज, आर्य समाज, पतंजलि एवं अन्य सामाजिक संगठनों का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा महानगर अध्यक्ष गिरीश भांडुला, पार्षद विशाल सिंह गोलू, वरिष्ठ आयाम प्रमुख डॉ एके अग्रवाल, जिला महिला प्रमुख पूनम चौहान,महानगर महिला प्रमुख नीलम जैन, जिला संयोजक हिमांशु मेहरा, मीनू विज,अंशु, मीनू मल्होत्रा, राजीव चौहान, सोनिया प्रजापति, रेनू, सुगंधा ,पूनम गुप्ता, कशिश चौहान, सुनीता शर्मा नीरज वाल्मीकि, मेजर सुदेश भटनागर, डॉक्टर विशेष कुमार शर्मा, गौरव पांडे, राहुल प्रजापति ,विशाल शुक्ला, पंकज शर्मा, राजेश रस्तोगी, प्रदीप सक्सेना, राजेश पंडित आदि रहे।

युवा दिवस पर रही कार्यक्रमों की धूम

बहराइच में एडीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई एस.आई.आर. समीक्षा बैठक

बहराइच।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर संचालित विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी अमित कुमार ने सभी अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को बताया कि सभी के लॉगिन आईडी पासवर्ड जनरेट कर दिये गये हैं। यदि किसी अधिकारी को लॉगिन आईडी पासवर्ड प्राप्त नहीं हुआ है तो तत्काल उसे प्राप्त कर लें। एडीएम ने ई.ए.ई.आर.ओ. को बताया कि नोटिस प्रपत्र 01 से 02 दिन में पोर्टल पर अपलोड कर दिये जायेंगे। सभी ई.ए.ई.आर.ओ. लागिन आईडी पासवर्ड के माध्यम से नोटिस जारी कर सकते है। बैठक के दौरान सभी ई.ए.ई.आर.ओ. पॉवर प्वाईन्ट प्रोजेक्टर के माध्यम से नोटिस जारी करने की प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अपर जिलाधिकारी श्री कुमार ने बताया कि सभी ई.ए.ई.आर.ओ. बीएलओ के माध्यम से जारी नोटिस का वितरण सुनिश्चित करायेंगें। उन्होंने बताया कि सुनवाई प्रपत्र पर सुनवाई के लिए निर्धारित स्थान से सम्बन्धित मोहर सम्बन्धित उप जिलाधिकारी द्वारा उपलब्ध करायी जायेगी।

नोटिस प्रपत्र प्राप्त सभी मतदाताओं को सुनवाई में उपस्थित होना अनिवार्य है। यदि कोई मतदाता निर्धारित तिथि को उपलब्ध नहीं हो पाता है तो उसको सुनवाई की दूसरी तिथि निर्गत की जायेगी। एडीएम ने यह भी बताया कि 2003 के बाद नोमैपिंग वाले मतदाताओं को आधार कार्ड के साथ-साथ आयोग द्वारा निर्धारित अन्य एक प्रपत्र भी उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। इस अवसर पर अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मौजूद रहे जबकि समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा वर्चुअल माध्यम से बैठक में प्रतिभाग किया गया।

पीड़ित ने मंडलायुक्त से की भूमि विवाद की शिकायत, अवैध कब्जे और उत्पीड़न का लगाया आरोप

प्रयागराज।

जनपद के तहसील सदर अंतर्गत करैलाबाग परगना स्थित आराजी संख्या 113/1 सहित कुल 497.78 वर्गगज भूमि को लेकर विवाद सामने आया है। इस मामले में पीड़ित डॉ. वलीउल्लाह सिद्दीकी ने मंडलायुक्त प्रयागराज मंडल को प्रार्थना पत्र सौंपकर भूमि पर अवैध कब्जे के प्रयास, पुलिसिया उत्पीड़न और प्रशासनिक पक्षपात के आरोप लगाए हैं। पीड़ित के अनुसार उक्त भूमि उनके स्वामित्व में दर्ज है और वर्ष 2021 से विपक्षी पक्ष द्वारा जबरन कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने अपनी जमीन की सुरक्षा हेतु चारदीवारी कराई थी, जिसे कथित रूप से कई बार क्षतिग्रस्त किया गया। पीड़ित का आरोप है कि इस संबंध में उन्होंने स्थानीय पुलिस और प्रशासन को कई बार अवगत कराया, लेकिन उनकी शिकायतों पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। डॉ. वलीउल्लाह सिद्दीकी ने आरोप लगाया कि विपक्षी पक्ष की ओर से 18 अप्रैल 2025 को उनके खिलाफ एकतरफा प्राथमिकी दर्ज कराई गई, जबकि पीड़ित पक्ष की शिकायतों को नजरअंदाज किया गया।

इसके बाद भी 29 सितंबर 2025 को भूमि पर पुनः कब्जे का प्रयास किया गया। मामले को लेकर पीड़ित द्वारा न्यायालय में वाद संख्या 1466/2025 दाखिल किया गया है, जिसमें अभी तक कोई स्थगन आदेश पारित नहीं हुआ है। वहीं, प्रशासन द्वारा भूमि को सरकारी बताते हुए नोटिस जारी किए जाने से पीड़ित और अधिक असमंजस में है। पीड़ित का कहना है कि बिना किसी अंतिम न्यायिक आदेश के उन्हें बार-बार धमकाया जा रहा है तथा जबरन भूमि से बेदखल करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने मंडलायुक्त से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और अपनी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है।

मकर संक्रांति मेले में उमड़ा जनसैलाब

बहजोई।

बाबू मुकुट बिहारी लाल जैन सेवा न्यास के तत्वावधान में बीएमबीएल जैन वर्ल्ड स्कूल परिसर में आयोजित भव्य मकर संक्रांति मेले का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। मेले में ब'चों, युवाओं एवं परिवारों की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे दिन उत्सव का माहौल बना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व एमएलसी परमेश्वर लाल सैनी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिसमें भाजपा नेत्री मंजू दिलेर, बीएमबीएल जैन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. पवन कुमार जैन, उड़ान आर्टिस्ट ग्रुप की संस्थापक ममता राजपूत एवं सामाजिक कार्यकर्ता प्रीति आर्य सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने सहभागिता की।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं और नई पीढ़ी को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं।पूर्व एमएलसी परमेश्वर लाल सैनी ने कहा कि मकर संक्रांति जैसे पर्व हमारी सांस्कृतिक परंपराओं के प्रतीक हैं, जिन्हें इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से जीवंत रखा जाना आवश्यक है। वहीं भाजपा नेत्री मंजू दिलेर ने कहा कि इस तरह के आयोजन सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना को सशक्त करते हैं, विशेष रूप से ब'चों और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी इन्हें और भी खास बनाती है।कार्यक्रम में बीएमबीएल जैन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. पवन कुमार जैन ने सभी अतिथियों एवं आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा न्यास का उद्देश्य सामाजिक, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। इस अवसर पर बीएमबीएल जैन वर्ल्ड स्कूल के प्रिंसिपल-डायरेक्टर राजीव गुप्ता ने विद्यालय के शैक्षिक विजन एवं भावी योजनाओं को उपस्थित जनसमूह के समक्ष प्रस्तुत करते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।मेले में डांस प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, फन एवं एडवेंचर गेम्स के साथ-साथ मैजिक शो विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। यह मैजिक शो गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड होल्डर, मिस्टर इंडिया जादूगर सम्राट अजय दिवाकर द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिनके अद्भुत जादुई करतबों ने बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर न्यास के सचिव नमन जैन, अमन जैन एडवोकेट, अलका जैन, प्रिया जैन, राशि जैन, शिखा जैन, संजय कुमार जैन, अभिनय जैन,नकुल प्रताप सिंह, राहुल वार्ष्णेय एडवोकेट, मेधावृत यादव, नागेश कुमार, शैवाली वार्ष्णेय, अलका शर्मा, अखिलेश कुमार, डॉ. मनोज, कुशनंदन, अक्षय राठौर, शीतल, राजेश डब्बू, लव कुमार आर्य, पंकज आर्य, कमल कुमार कमल, विपिन राघव, अवधेश प्रताप, अशोक यादव, अलका गुप्ता, मेधावी आर्य एवं नव्या गुप्ता सहित अनेक कार्यकर्ता मेले के व्यवस्थित संचालन में संलग्न रहे। नृत्य प्रतियोगिता कार्यक्रम का संचालन बीएमबीएल जैन ग्रुप के निदेशक सम्भव जैन एवं रुचि गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया।

बीएमबीएल जैन वर्ल्ड स्कूल में डांस प्रतियोगिता, मैजिक शो एवं फन गेम्स का आयोजन

कूड़े के पहाड़ों से लेकर सिविक सेंस तक, युवाओं के सवालों पर सीएम ने रखा सरकार का रोडमैप

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय युवा दिवस की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि विकसित दिल्ली की असली रीढ़ युवा है। कहा कि संवाद, सहयोग तथा संकल्प के बिना राजधानी के विकास का सपना पूरा नहीं हो सकता। रविवार को दिल्ली के युवाओं के साथ आयोजित विशेष संवाद कार्यक्रम लंच विद रेखा गुप्ता में मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि युवा केवल समस्याएं गिनाने तक सीमित न रहकर समाधान का हिस्सा बनें तो न सिर्फ दिल्ली बल्कि पूरे देश की सूरत बदली जा सकती है। संवाद में मुख्यमंत्री ने युवाओं के विचार, सवाल और सुझाव सुने और अपने 11 माह के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करते हुए 'विकसित दिल्ली' का रोडमैप साझा किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी की जयंती युवाओं की ऊर्जा, सोच और राष्ट्र निर्माण की भावना का प्रतीक है। इसी भावना के साथ सरकार युवाओं से संवाद कर रही है ताकि नीतियां जमीन से जुड़ी हों। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के विकास में युवाओं की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से बीते 11 वर्षों की नीतियों, वर्तमान सरकार के 11 महीनों के काम और आगामी 11 वर्षों के विजन पर खुली चर्चा की गई। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे सरकार के कार्यों पर बौद्धिक सवाल करें, कमियों की ओर ध्यान दिलाएं और यह भी बताएं कि वे आने वाले वर्षों में दिल्ली को किस रूप में देखना चाहते हैं।

2026 के अंत तक खत्म होंगे दो कूड़े के पहाड़

युवा प्रतिनिधि प्रफुल्ल गर्ग ने गाजीपुर, भलस्वा और ओखला के कूड़े के पहाड़ों का मुद्दा उठाया। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में प्रतिदिन 10-11 हजार मीट्रिक टन कूड़ा निकलता है। पिछली सरकारों के दौरान बायो-माइनिंग की क्षमता सीमित थी, लेकिन मौजूदा सरकार ने ड्रोन सर्वे, मशीनरी विस्तार और टाइम-बाउंड डेडलाइंस के जरिए इसे तीन गुना बढ़ाकर 30-35 हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन कर दिया है। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि 2026 के अंत तक दो बड़े कूड़े के पहाड़ पूरी तरह खत्म कर दिए जाएंगे।

30 युवाओं ने संवाद कार्यक्रम में लिया भाग

करीब 30 युवाओं ने संवाद में भाग लिया, जिनमें सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर और सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल थे। युवाओं ने जन-जन की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ऐसे संवाद और बढ़ाने की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाया जाए और दिल्ली सरकार उसी विजन के अनुरूप काम कर रही है। पशु कल्याण से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार किसी भी तरह की क्रूर नीति में विश्वास नहीं करती।

इसरो का PSLV-C62 रॉकेट रास्ते से भटका, मिशन फेल

श्रीहरिकोटा। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन का साल 2026 का पहला मिशन PSLV-C62 फेल हो गया है। रॉकेट 12 जनवरी को सुबह 10.18 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित अंतरिक्ष केंद्र से 16 सैटेलाइट लेकर उड़ा था। इसरो चीफ डॉ. वी नारायणन ने कहा कि रॉकेट लॉन्चिंग के तीसरे चरण में गड़बड़ी आ गई, जिसके कारण वह रास्ता भटक गया। पिछले साल 18 मई को भी इसरो का PSLV-C61 मिशन तकनीकी खराबी के कारण तीसरी स्टेज में ही फेल हुआ था। इस मिशन में EOS-09 अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट को 524 किमी की सन-सिंक्रोनस पोलर ऑर्बिट में स्थापित किया जाना था।

प्रियंका के जन्मदिन पर खरगे समेत कई नेताओं ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को सोमवार को 54 वर्ष की हो गई हैं। इस अवसर पर उन्होंने पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई नेताओं ने जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं दी।

उनका संघर्ष हर पार्टी कार्यकर्ता को प्रेरित करता- खरगे

खरगे ने एक्स पर लिखा एआईसीसी महासचिव और सांसद, प्रियंका गांधी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य, खुशी और उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं। उन्होंने आगे लिखा, उनकी करुणा और साहस, संविधान के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता और संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने वाली उनकी सशक्त आवाज हर कांग्रेस कार्यकर्ता को प्रेरित और उत्साहित करती रहती है। कांग्रेस के महासचिव और संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल ने कहा, ऊर्जावान और करिश्माई नेता, एआईसीसी महासचिव और वायनाड सांसद श्रीमती प्रियंका गांधी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! आपकी ऊर्जा और जनहित के मुद्दों के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणा है। आने वाले वर्षों में आप और भी सफलता प्राप्त करें!

पवन खेड़ा ने शेरनी से तुलना की

पार्टी के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने उनकी तुलना शेरनी से की। उन्होंने एक्स पर लिखा साहस से परिपूर्ण बेटी, विपरीत परिस्थितियों में अडिग रहने वाली बहन, असीम प्रेम से परिपूर्ण मां, विनम्रता और शालीनता से

मार्गदर्शन करने वाली सहकर्मी, अटूट संकल्प से युक्त नेता...कांग्रेस पार्टी की आदर्श शेरनी को...जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रियंका गांधी जी!, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने जनता के लिए बोलने में प्रियंका गांधी की निडरता की सराहना की। उन्होंने कहा कि संसद में निडर होकर बोलते रहने के लिए आपको अच्छे स्वास्थ्य और शक्ति का आशीर्वाद मिले। आप लाखों लोगों को प्रेरित करते रहें और दृढ़ विश्वास और साहस के साथ कांग्रेस पार्टी की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाते रहें, लोकसभा में कांग्रेस के सचेतक मणिकम टैगोर ने कहा कि उनका साहस, करुणा और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता लाखों लोगों को प्रेरित करती रहेगी।

हमारे नेता राहुल गांधी जी के साथ, आप भारत के विचार को शक्ति और आशा प्रदान करते हैं। आपको और आपके परिवार को अच्छे स्वास्थ्य, सुख और जनसेवा में शक्ति की शुभकामनाएं।

सुप्रिया श्रीनेत ने जुझारू महिला कहा

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने भी प्रियंका गांधी को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा वह एक जुझारू महिला हैं। वह जोशीली हैं। वह निडर हैं। वह शानदार हैं। वह मजेदार हैं। एकमात्र प्रियंका गांधी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपके जन्मदिन पर और उसके बाद भी आपको हंसी, प्यार और रोशनी मिले! कांग्रेस ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से पार्टी नेता के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। कहा गया है, आपकी सहानुभूति, सादगी और जनता के प्रति अटूट समर्पण आपको वास्तव में विशेष बनाता है। यह वर्ष आपको खुशी, अच्छे स्वास्थ्य और नई शक्ति प्रदान करे, ताकि आप भारत की जनता को सशक्त बनाने और सभी के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने के अपने अथक प्रयास को जारी रख सकें।

मुनाफे के बावजूद निजी निवेश नदारद, घटती घरेलू बचत से बढ़ी चिंता, कांग्रेस ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार का आम बजट 2026 अगले महीने फरवरी में पेश किया जाएगा। इससे पहले कांग्रेस ने उम्मीद जताई कि आने वाला केंद्रीय बजट में सुस्त प्राइवेट कॉर्पोरेट निवेश और आय में असमानताओं की चुनौतियों से निपटने के लिए सार्थक कदम उठाए जाएंगे। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि घरेलू बचत दरें काफी कम हो गई हैं, और धन, आय व उपभोग में असमानताएं लगातार बढ़ रही हैं। जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह देखना बाकी है कि आने वाला केंद्रीय बजट सांख्यिकीय भ्रम के आराम से दायरे से बाहर निकलकर वास्तविकताओं और चुनौतियों को स्वीकार करता है, और उनसे निपटने के लिए सार्थक कदम उठाता है या नहीं। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि संसद के आने वाले सत्र का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। 2026-27 का बजट अब से 20 दिन बाद पेश किया जाएगा। अपने एक्स पोस्ट में जयराम रमेश ने कहा, संसद के आगामी सत्र का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। वित्त वर्ष 2026/27 का बजट अब से बीस दिन बाद पेश किया जाएगा। यह बजट निस्संदेह 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों को प्रतिबिंबित करेगा, जिसने 17 नवंबर 2025 को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। ये सिफारिशें 2026/27 से 2031/32 की अवधि को कवर करती हैं और केंद्र व राज्यों के बीच कर राजस्व के बंटवारे तथा राज्यों के बीच इन राजस्व के वितरण से संबंधित हैं। उन्होंने आगे कहा कि मनरेगा को बुलडोजर से खत्म करने वाले नए कानून में लागू किए गए 60:40 लागत को साझा करने के फॉर्मूले से पहले ही बेहद चिंतित राज्य सरकारें अब निश्चित रूप से और भी अधिक आशंका में उंगलियां क्रॉस किए बैठी होंगी। अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों का सामना कर रही है। इनमें तीन सबसे प्रमुख हैं। पहला, टैक्स में कटौती और अच्छे मुनाफे के बावजूद निजी कॉर्पोरेट निवेश की दरें अब भी स्पष्ट रूप से सुस्त बनी हुई हैं। दूसरा, घरेलू बचत दरों में काफी गिरावट आई है, जिससे निवेश की क्षमता सीमित हुई है। तीसरा, संपत्ति, आय और उपभोग से जुड़ी असमानताएं लगातार गहराती जा रही हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि अब देखना यह है कि आने वाला बजट सांख्यिकीय भ्रमों के अपने आरामदेह दायरे से बाहर निकलकर इन वास्तविकताओं और चुनौतियों को स्वीकार करता है या नहीं, और उनसे निपटने के लिए कोई सार्थक कदम उठाता है या नहीं। रोजगार सृजन के बड़े पैमाने पर विस्तार के लिए अत्यंत आवश्यक उच्च जीडीपी वृद्धि दरें भी तब तक टिकाऊ नहीं हो सकतीं, जब तक ये कदम अभी नहीं उठाए जाते।

'गर्व से कहो, हम हिंदू हैं', सीएम योगी ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर दी बधाई

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सनातन आध्यात्मिक गुरु एवं विचारक स्वामी विवेकानंद को जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर उनके विचारों पर अमल करने का आह्वान किया।

स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 को तत्कालीन कलकत्ता में हुआ था। उनका जन्मदिन राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

सीएम योगी ने एक्स पर किया पोस्ट

आदित्यनाथ ने एक्स पर कहा, गर्व से कहो, हम हिंदू हैं। भारतीय ज्ञान-परंपरा के ध्वजवाहक, विश्व मंच पर सनातन संस्कृति को पुनर्स्थापित करने वाले राष्ट्रप्रेरक युवा संन्यासी स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन एवं राष्ट्रीय युवा दिवस की सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

उन्होंने लिखा, स्वामी जी के विचारों ने यह सिद्ध किया कि हिंदू धर्म मानवता के समग्र उत्कर्ष एवं कल्याण का सर्वोच्च मार्गदर्शक है। आइए, राष्ट्रीय युवा दिवस पर उनके विचारों को जीवन में धारण कर राष्ट्र सेवा और समाज-उत्थान के संकल्प को और दृढ़ करें।

केशव प्रसाद मौर्य ने अर्पित की श्रद्धांजलि

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने एक्स पर कहा, स्वामी विवेकानंद जी के ओजस्वी विचार और राष्ट्रनिर्माण का आह्वान आज भी युवा शक्ति को सेवा, संकल्प और समर्पण के मार्ग पर अग्रसर करता है।

स्वामी विवेकानन्द जी को कोटि-कोटि नमन! - बृजेश पाठक

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक्स पर कहा, भारत के ज्ञान, संस्कृति व दर्शन को विश्वभर में दिग्विजय कराने वाले स्वामी विवेकानन्द जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन! देश के समस्त युवाओं को राष्ट्रीय युवा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

-: I-PAC छापेमारी मामला :-

ममता सरकार के खिलाफ ईडी ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा, रखी सीबीआई जांच की मांग

नई दिल्ली। कोलकाता में राजनीतिक रणनीतिकार संस्था I-PAC और इसके निदेशक प्रतीक जैन के ठिकानों पर हुई छापेमारी के बाद अब कानूनी लड़ाई तेज हो गई है। ईडी ने इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। ईडी ने कोर्ट में में याचिका दायर कर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, राज्य के डीजीपी और कोलकाता पुलिस कमिश्नर पर जांच में बाधा डालने का गंभीर आरोप लगाया है। ईडी के मुताबिक 8 जनवरी 2026 को 2,742 करोड़ के कोयला तस्करी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रतीक जैन के आवास और I-PAC के दफ्तर पर वैधानिक तलाशी ली जा रही थी। एजेंसी का दावा है कि इस घोटाले के करीब 20 करोड़ रुपये हवाला के जरिए I-PAC तक पहुंचे हैं। याचिका में आरोप लगाया गया है कि छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद भारी पुलिस बल के साथ वहां पहुंचीं और केंद्रीय एजेंसी की कार्यवाही को रोका। ईडी का कहना है कि पुलिस ने जब्त किए गए लैपटॉप, मोबाइल और महत्वपूर्ण दस्तावेज जबरन अपने कब्जे में ले लिए और करीब दो घंटे तक उन्हें वापस नहीं किया।

केंद्र-ईसी को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

- चुनाव आयुक्तों को कानूनी कार्रवाई से आजीवन छूट को कांग्रेस नेता की चुनौती; सीजेआई बोले- जांच करेंगे
- सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार-चुनाव आयुक्त को नोटिस भेजा, इलेक्शन कमिश्नर्स की नियुक्ति पर मांगा जवाब

नई दिल्ली।

सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य चुनाव आयुक्त विधेयक, 2023 के एक महत्वपूर्ण प्रावधान को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस जारी करते हुए गंभीर संवैधानिक चिंता व्यक्त की।

याचिका में तर्क दिया गया है कि नया कानून मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों (ईसी) को उनके आधिकारिक कर्तव्यों के दौरान किए गए कार्यों के लिए किसी भी दीवानी या आपराधिक कार्यवाही से अभूतपूर्व, आजीवन प्रतिरक्षा प्रदान करता है। याचिकाकर्ता के अनुसार, विधेयक में निहित प्रतिरक्षा प्रावधान संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन करता है और जवाबदेही के सिद्धांत को कमजोर करता है। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया, विधेयक मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग को ऐसी अभूतपूर्व प्रतिरक्षा प्रदान नहीं कर सकता जो संविधान निर्माताओं ने न्यायाधीशों को भी नहीं दी। संसद ऐसी उच्च प्रतिरक्षा प्रदान नहीं कर सकती जो संविधान निर्माताओं ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों को नहीं दी।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने उठाई गई चिंताओं पर ध्यान दिया और संकेत दिया कि इस मुद्दे पर गहन न्यायिक जांच की आवश्यकता है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हम इसकी जांच करना चाहेंगे। हम नोटिस जारी कर रहे हैं। पीठ ने केंद्र और चुनाव आयोग दोनों से जवाब मांगा है।

एससी/एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने की मांग

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया है. याचिका में एससी/एसटी आरक्षण व्यवस्था में क्रीमी लेयर सिस्टम लागू करने की मांग की गई है. यह याचिका वकील अश्विनी उपाध्याय ने दायर की है. उनका तर्क है कि एससी/एसटी वर्ग के जिन परिवारों में एक व्यक्ति को सरकारी या संवैधानिक पद मिल जाता है, उसके बच्चों को इस वर्ग के तहत आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए. याचिकाकर्ता का कहना है कि आरक्षण का उद्देश्य दबे-कुचले वर्गों तक लाभ पहुंचाना था, लेकिन वर्तमान व्यवस्था में वही परिवार पीढ़ी दर पीढ़ी इसका फायदा उठा रहे हैं. सीजेआई सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने यह नोटिस जारी किया है.

याचिका में कहा गया है कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक नहीं पहुंच रहा है जो वास्तव में वंचित हैं. इसके बजाय, पहले से लाभान्वित परिवारों को ही बार-बार फायदा मिल रहा है. सुप्रीम कोर्ट ने एससी/एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया. केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों से इस मुद्दे पर जवाब मांगा गया है.याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय का तर्क है कि सरकारी या संवैधानिक पद पाने वाले परिवारों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए.याचिका में कहा गया कि आरक्षण का उद्देश्य दबे-कुचले वर्गों तक लाभ पहुंचाना था, लेकिन वही परिवार पीढ़ी दर पीढ़ी फायदा उठा रहे हैं.

लंबे समय से होती रही है बहस

गौरतलब है कि पूर्व सीजेआई बी आर गवई की अगुवाई वाली संविधान पीठ में भी समय-समय पर एससी/एसटी वर्ग में क्रीमी लेयर लागू करने को लेकर टिप्पणियां की गई थीं. अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर सरकारों से जवाब मांगा है. इस मामले पर अगली सुनवाई में यह तय हो सकता है कि क्या एससी/एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर व्यवस्था लागू होगी.

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की बड़ी कार्रवाई, 17 लापरवाह चिकित्साधिकारी बर्खास्त

लखनऊ। यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सरकारी अस्पतालों में लापरवाही बरतने वाले चिकित्साधिकारियों पर बड़ी कार्रवाई की है। 17 चिकित्साधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। ये डॉक्टर लंबे समय से ड्यूटी से लगातार अनुपस्थित पाए गए थे। मरीजों के साथ अभद्र व्यवहार करने वाले चार चिकित्साधिकारियों के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। वहीं, स्थानांतरण के बाद नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण न करने वाले डॉ. गजेंद्र सिंह के विरुद्ध विभागीय जांच के निर्देश जारी किए गए हैं।

20 वर्षों के वैधानिक सुधार की अनदेखी कर रहा ईसी- ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर एक बार फिर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा, आयोग अपने ही 20 वर्षों के वैधानिक सुधारों की अनदेखी कर रहा है, जिससे मतदाताओं को अपनी पहचान दोबारा स्थापित करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। बता दें कि मुख्यमंत्री ने इससे पहले भी एक अन्य पत्र में निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के समक्ष कई गंभीर मुद्दे उठाए थे।

चुनाव आयुक्त को लिखा पांचवां पत्र

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को सोमवार को एक और पत्र लिखा है। यह उनका पांचवां पत्र है। इसमें उन्होंने

वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया में हो रही गड़बड़ियों पर चिंता जताई है।

क्या बोलीं सीएम ममता बनर्जी?

ममता बनर्जी का दावा है कि 2002 की वोटर लिस्ट को डिजिटल बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल किया गया, जिससे गंभीर गलतियां हुई हैं। उनका कहना है कि इन तकनीकी खामियों की वजह से असली वोटरों को गलत तरीके से विसंगति वाली श्रेणी में डाल दिया गया है। इससे आम लोगों को भारी परेशानी हो रही है।

चुनाव आयोग पर आरोप

मुख्यमंत्री ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि वह अपनी ही पुरानी प्रक्रियाओं की अनदेखी कर रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में जो सुधार हुए थे, उन्हें दरकिनार कर वोटरों को फिर से अपनी पहचान साबित करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने इसे मनमाना और संविधान की भावना के खिलाफ बताया।

सुनवाई प्रक्रिया पर सवाल

बनर्जी ने यह भी कहा कि एसआईआर के दौरान जमा किए गए दस्तावेजों की कोई रसीद नहीं दी जा रही है। उन्होंने सुनवाई प्रक्रिया को पूरी तरह मशीनी और संवेदनहीन बताया। उनका कहना है कि यह प्रक्रिया मानवीय संवेदनाओं से खाली है और लोकतंत्र की नींव को कमजोर कर रही है।

आदित्य ठाकरे का बीजेपी पर बड़ा आरोप, कहा- पूरा महाराष्ट्र उद्योगपतियों को बेच रहे हैं

मुंबई। मुंबई को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अन्नामलाई के बयान पर विवाद खड़ा होने के एक दिन बाद, शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने सोमवार को कहा कि यह स्पष्ट हो गया है कि पार्टी का एकमात्र उद्देश्य राज्य का अपमान करना और उसे लूटना है। ठाकरे ने मुंबई में पत्रकारों से कहा कि अन्नामलाई भाजपा का चेहरा हैं, जो शून्य हैं। वे वहां चुनाव नहीं जीत सके और अपनी जमानत भी नहीं बचा सके। ऐसा दिखाया गया कि अगला प्रधानमंत्री वही होंगे, लेकिन वास्तव में, तमिलनाडु ने उन्हें शून्य साबित कर दिया है। जहां मुख्यमंत्री स्टालिन तमिलनाडु को इतनी तेजी से आगे बढ़ा

रहे हैं, वहीं ये लोग सिर्फ लड़ रहे हैं, गाली-गलौज कर रहे हैं। अन्नामलाई ने महाराष्ट्र का अपमान किया है, और राज्य इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। अन्नामलाई और भाजपा ने महाराष्ट्र का अपमान किया है। ठाकरे का यह बयान भाजपा नेता अन्नामलाई के उस बयान के एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने आगामी बीएमसी चुनावों से पहले मुंबई के धारावी में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि मुंबई एक अंतरराष्ट्रीय शहर है, महाराष्ट्र का शहर नहीं। यूबीटी नेता ने दावा किया कि भाजपा लगातार लोगों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं या सांप्रदायिक मुद्दों में उलझाए रखने की कोशिश कर रही है, जबकि पूरे राज्य को उद्योगपतियों को बेच रही है। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार चाहे जो भी करे, जनता जानती है कि सरकार को मुंबई या महाराष्ट्र से कोई लगाव नहीं है। लोग देखते हैं कि वे हमें लड़की बहन या हिंदू-मुस्लिम मुद्दों में कैसे उलझाए रखते हैं, जबकि पूरा महाराष्ट्र उद्योगपतियों को मुफ्त में दिया जा रहा है।